**Title:** Demand of CBI inquiry on wheat import scandal.

श्री अजीत जोगी : सभापति महोदय, मैं अपनी बात प्रस्तुत करना चाहता हूं। इस सदन में ध्यानाकर्षण प्रस्ताव रखा गया था, जिसमें सरकार ने आश्वासन दिया था कि व्हीट इम्पोर्ट स्कैंडल के बारे में सी.बी.आई. से जांच कराई जायेगी। एक हजार करोड़ रुपये का घोटाला हुआ, १०० करोड़ से ज्यादा की किकबैक ली गई, लेकिन उसकी सी.बी.आई. से इन्क्वायरी अभी तक चालू नहीं की गई है। मैंने कल भी सी.बी.आई. के अधिकारियों से पता किया, उनका कहना है कि सरकार इस पर पुनर्विचार कर रही है, कोई आज्ञा अभी सी.बी.आई. को नहीं दी गई है कि व्हीट इम्पोर्ट स्कैंडल पर फिर से जांच की जाये।

... (व्यवधान)

अभी केन्द्र सरकार के माननीय मंत्री जी यहां पर हैं, ये बतायें, इतना बड़ा स्कैंडल हुआ, इसकी जांच आप सी.बी.आई. को क्यों नहीं दे रहे? इसको क्यों लटकाया गया है, किसानों के साथ इतनी ज्यादतियां करने वालों को आप क्यों बचाना चाहते हैं, सी.बी.आई. को केस क्यों नहीं दे रहे हैं?

... (व्यवधान)

">

श्री मदन लाल खुरानाः सभापति जी, सदन के अन्दर प्रधान मंत्री जी के कहने पर आश्वासन दिया हुआ है।

श्री अजीत जोगी : वह पूरा नहीं हो रहा है।

सभापति महोदय : आप बोलने दो, यह क्या है?

श्री मदन लाल खुराना : यह पिछली सरकार का स्कैंडल है, इसलिए हम उसको छिपाना नहीं चाहते और यह भी

... (व्यवधान)

श्री अजीत जोगी : हमको दाल में काला लगता है, आप छिपा रहे हैं।

MR. CHAIRMAN: Shri Ajit Jogi, let the Minister say. You please allow him to say.

श्री मदन लाल खुराना : सभापति जी, मैंने आपसे कहा कि इसी सदन में पिछले तीन सालों के अन्दर जितनी बार व्हीट आया है, जितना व्हीट इम्पोर्ट किया गया है, उस सब के बारे में सी.बी.आई. की जांच का आश्वासन इसी सदन में दिया गया है।

इसलिए उससे पीछे हटने का सवाल ही पैदा नहीं होता। यह मामला किस स्टेज पर है, यदि माननीय सदस्य चाहेंगे तो मैं पता करके बता दूंगा।

श्री अजीत जोगी : तथ्यों को दबाया जा रहा है

... (व्यवधान)

हमारी जानकारी है कि अभी कुछ नहीं हो रहा है

... (व्यवधान)

श्री मदन लाल खुरानाः आपकी जानकारी अधूरी होती है।

सभापति महोदय : जोगी जी उन्होंने बोला है कि बताएंगे, आप बैठिए।